ANTI-D S/D

RHD फैक्टर और एंटी D

अगली पीढ़ी की सुरक्षा

आपको शायद अभी-अभी बताया गया है कि आपको ''एंटी-D'' नामक एक पदार्थ का इन्जेक्शन लेने की ज़रूरत है और आप सोच रही होंगी कि यह क्या है और आपको इसकी ज़रूरत क्यों है।

यह लीफलेट इन दोनों प्रश्नों का जवाब देता है और यह भी स्पष्ट करता है कि यह साधारण-सा इंजेक्शन किस तरह आपको आपके लिए आवश्यक पूरी सुरक्षा दे सकता है - अभी और भविष्य के लिए भी।

RHD फैक्टर

गर्भवती महिलाओं का रक्त-समूह अक्सर उनके गर्भस्थ शिशु के रक्त-समूह से भिन्न हो सकता है। ऐसा होना अक्सर बिल्कुल सामान्य बात है और सामान्यत: यह कोई समस्या नहीं है। परन्तु, लगभग 10 में से 1 गर्भधारण में, रक्त समूहों में फर्क खासकर एक महत्वपूर्ण कारण से होता है, और वह है रक्त की लाल कोशिकाओं की सतह पर, जिसे पहले 'रेसस फैक्टर' (Rhesus Factor) और अब सिर्फ RhD कहा जाता है, का मौजूद होना या न होना।

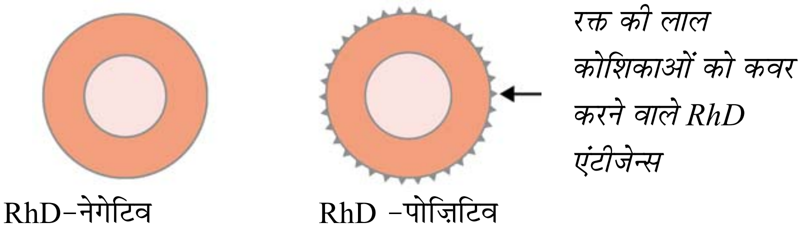

यदि आपके रक्त की लाल कोशिकाओं में RhD फैक्टर मौजूद हों तो आपको RhD -पोज़िटिव माना जाता है, यदि नहीं तो आप RhD-नेगेटिव हैं।

ANTI-D S/D

RhD फैक्टर आपको किस तरह प्रभावित कर सकता है

कभी-कभी शिशु के प्लेसेन्टा के रक्त-संचार से रक्त की थोड़ी-सी मात्रा माता के रक्त-प्रवाह में प्रवेश कर सकती है।

आमतौर पर ऐसा जन्म से ठीक पहले होता है और यह बिल्कुल सामान्य बात है, जो सामान्य गर्भधारण के तीन चौथाई मामलों में पाया जाता है। परन्तु, रक्त का इस तरह का स्थानांतर किसी खास घटना, जैसे गर्भपात या गर्भ की समाप्ति (गर्भपात कराने) के बाद भी हो सकता है।

यदि रक्त का स्थानांतर RhD-पोज़िटिव शिशु से RhD-नेगेटिव मां में होता है, तो मां के इम्यून सिस्टम शिशु के रक्त को ''फॉरेन'' मानेंगे और एन्टिबॉडी उत्पन्न करेंगे जो मां के रक्त-प्रवाह में मौजूद शिशु के रक्त को पूरी तरह नष्ट कर देंगे।

मां का इम्यून सिस्टम याद रखता है कि ये एन्टिबॉडी कैसे बनाए जाते हैं, जिससे मां को यदि ज़रूरी हो, तो भविष्य में इन्हें अधिक शीघ्रता से और अधिक संज़्या में बनाने की योग्यता मिलती है।

यह समस्या का रूप तभी धारण करती है यदि अगले गर्भधारण के दौरान शिशु फिर RhD-पोज़िटिव हो और प्लेसेन्टा से शिशु के रक्त का फिर से हस्तांतरण हो जाए। मां के इम्यून सिस्टम, अपनी स्मरण शक्ति का उपयोग करके पहले जैसे एंटिबॉडीज़ फिर से बनाएंगे। फिर से प्लेसेन्टा में वापस जाकर, जन्म से पहले शिशु के रक्त प्रवाह में शिशु के रक्त को नष्ट करना आरज़्भ कर सकते हैं।

जिन शिशुओं में यह समस्या होती है उन्हें 'हेमोलिटिक डिसीज़ ऑफ दि न्यू बॉर्न' (Haemolytic Disease of the Newborn) या संक्षेप में HDN कहते हैं।

एंटी-D से सुरक्षा प्रदान करना

डॉक्टर, नर्सें और दाइयां इस समस्या से अच्छी तरह परिचित हैं और वे मां को एंटी-D का इंजेक्शन देकर, ऐसा होना रोक सकती हैं (कृपया पैक में उपलब्ध उत्पाद के बारे में सूचना पढ़िए)।

इससे पहले कि मां अपने एंटीबॉडीज़ स्वयं बना सके, एंटी-D मां के रक्त प्रवाह में, यदि शिशु का रक्त मौजूद हो, तो उसे नष्ट कर देता है।

इसका अर्थ यह हुआ कि मां के पास अपने भविष्य के गर्भधारण में HDN बनाने के लिए एंटीबॉडीज़ उपलब्ध नहीं होंगे।

इसलिए, एंटी-D का एक साधारण-सा इंजेक्शन, मां यदि भविष्य में फिर से गर्भवती हो जाए तो, मां और शिशु दोनों को सुरक्षा देता है।

यदि कोई शंका हो तो पूछिए

आपकी दाई, डॉक्टर या नर्स को आपको RhD फैक्टर के बारे में, और इसका आपके लिए क्या महत्व है, बताकर खुशी होगी।

यदि इंजेक्शन के बारे में आपके कोई प्रश्न हों या आपको कोई शंका हो तो, पूछने से न डरिए।

आपकी दाई का नाम :

....

सज़्पर्क का पता :

....
....
....
....
....

टेलीफोन नज़्बर :

....

BPL द्वारा रोगियों को जानकारी देने वाली सेवा

BPL राष्ट्रीय रक्त प्राधिकरण (NBA) की एक इकाई है
NBA, NHS के अंतर्गत एक विशेष स्वास्थ्य प्राधिकरण है।

Makmal Produk Bio, Dagger Lane, Elstree
Hertfordshire. WD6 3BX, UK
Telefon: 020 8258 2200
www.bpl.co.uk